inext

दैनिक जागरण, Varanasi, 26 February 2023

भयमुक्त होकर फूड प्रोसेसिंग में करें निवेश

खाद्य प्रसंस्करण सम्मेलन में पहुंचे मंत्री प्रहलाद सिंह

varanasi@inext.co.in

VARANASI (25 Feb): केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उद्योगपतियों से मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों से भयमुक्त होकर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि यह स्वर्णिम अवसर है. उद्योगपतियों को इसका लाभ उठाना चाहिए. पटेल शनिवार को प्रमुख उद्योग मंडल एसोचैम एवं इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स, द्वारा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि 'मोटे अनाज' के क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा दें. दुनिया में मोटे अनाज का जितना उत्पादन होता है उसमें से 40 प्रतिशत मोटा अनाज भारत में होता है. संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया है.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

उद्योग को मजबूती मिलेगी

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा उद्योगपतियों को निवेश के लिये शुरू की गई अनेक योजनाओं को गिनाते हुये पटेल ने कहा, ''यदि कच्चा माल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत है तो मेरा मानना है कि इससे उद्योग को मजबूती मिलेगी. प्रोग्राम में कई जिलों के स्टार्टअप ने भी योजनाओं के बारे में जाना और अपने विचार रखे.

पूंजी निवेश के लिए अवसर

डीएम एस राजलिंगम ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पूंजी निवेश के लिये कई तरह के अवसर उपलब्ध कराता है. राज्य में उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बेहतर परियोजनायें खड़ी करने के लिये सहायता उपलब्ध कराई जा रही है. इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चैधरी ने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिहाज से प्रचुर मात्रा में संसाधनों की उपलब्धता है और विविध प्रकार का उत्पादन यहां होता है, यही वजह है कि राज्य निर्यात के लिहाज से सबसे आगे है.

पोषण के क्षेत्र में बदलाव

एसोचैम की एफएमसीजी परिषद के सह-अध्यक्ष और धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड की माउथ फ्रेशनर इकाई के प्रमुख सी के शर्मा ने कहा कि पोषण के क्षेत्र में इन दिनों तेजी से बदलाव आ रहा है. आजादी के अमृत महोत्सव को देखते हुये खान पान में मोटे अनाज की तरफ बदलाव बेहतर कदम है.

मदद करता है एपीडा

एपीडा के क्षेत्रीय प्रमुख डा. सीबी सिंह ने कहा कि एपीडा वित्तीय सहायता के जरिये अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में उद्योगों की मदद करता है. प्रोग्राम में नांगिया एंडरसेन एलएलपी के प्रबंधक भागीदार सूरज नांगिया, इंडो अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स की वाराणसी चैप्टर के चेयरमैन और रामोवर्ल्ड रुप के सीईओ राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के जरिये खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को तकनीकी तौर पर आधुनिक बनाने, प्रौद्योगिकी उन्नयन और उपलब्ध क्षमता के अनुरूप विस्तार पर जोर दिया.

Scanned with CamScanner